

---

# Shri Parvati Stotram

---

## श्रीपार्वतीस्तोत्रम्

---

### Document Information



---

Text title : Shri Parvati Stotram 2 08 15

File name : pArvatIstotram.itx

Category : devii, devI, stotra, pArvatI

Location : doc\_devii

Proofread by : Rajesh Thyagarajan

Description/comments : From stotrArNavaH 08-15

Latest update : August 15, 2021

Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

August 15, 2021

*sanskritdocuments.org*

---



श्रीपार्वतीस्तोत्रम्



बालार्कायुतसत्प्रभां करतले लोलम्बमालाकुलां  
माला सन्दधतीं मनोहरतनुं मन्दस्मितोद्यन्मुखीम् ।  
मन्दं मन्दमुपेयुषीं वरयितुं शम्भुं जगन्मोहिनीं  
वन्दे देवमुनीन्द्रवन्दितपदामिष्टार्थदां पार्वतीम् ॥ १ ॥

हेमाभां मतिवागतीतगुणशीलानल्पशिल्पाकृतिं  
प्रेमारोहमनोहरां करलसत्कल्याणदामाञ्चिताम् ।  
श्यामामीश्वरमुद्यतां वरयितुं त्रैलोक्यसम्मोहिनीं  
कामापादनकल्पवल्लिमनिशं वन्दे परां देवताम् ॥ २ ॥

करधृतवरमाल्या सर्वरक्ताङ्गभूषा  
निखिलनयनचेतोहारिरूपाग्र्यवेषा वेषा ।  
भवतु भवदभीष्टप्राप्तये शैलकन्या  
पुरुषयुवतिवश्याकृष्टिनित्यप्रगल्भा ॥ ३ ॥

हेमाद्रौ हेमपीठे नतनिखिलसुरैरीड्यमानां विराज-  
त्पुष्पेष्विष्वासपाशाङ्कुशकरकमलां रक्तवेषाभिरक्ताम् ।  
दिक्षुद्यद्भिश्चतुर्भिर्मणिमयकलशैः पञ्चशक्त्यञ्चितैः स्व-  
वृक्षैः क्लृप्ताभिषेकां भजत भगवतीं भूतिदामन्त्ययामे ॥ ४ ॥


चक्रं शङ्खमसिं च चर्म सशरं चापं गदां शूलकं  
विभ्राणां वरदाभयामृतघटान् रत्नौघपात्रं तथा ।  
भूषाभिर्मकुटादिभिस्त्रिनयनां पीताम्बरामम्बिकां  
ध्यायेच्चन्द्रकलासितां सुरगणैरीड्यां जगन्मङ्गलाम् ॥ ५ ॥

श्रीकैलासे शुकाद्यैः शिवकरवटमूले निषण्णो निषेव्यः  
कृत्वोरौ वामपादं किसलयमृदुलं दक्षिणे दक्षवैरी ।  
विभ्राणो दोर्भिरक्षस्त्रजममृतघटं पुस्तकं ज्ञानमुद्रां  
भूयाद्भुक्त्यै च मुक्त्यै मम रजतनिभो दक्षिणामूर्तिशम्भुः ॥ ६ ॥


इति श्रीपार्वतीस्तोत्रं सम्पूर्णम् ।

Proofread by Rajesh Thyagarajan

---

——  
*Shri Parvati Stotram*

pdf was typeset on August 15, 2021

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

